ISBN:978-81-974990-9-8

5.कोविड–19 का विद्यार्थियों पर प्रभाव और नवीन ज्ञान का अवसर

शत्रुघन पटेल

सहायक प्राध्यापक,
शांत्रीबाई कला वाणिज्य विज्ञान महाविद्यालय,
महासमुन्द, (छ.ग.).

सारांश :–

कोविड–19 के प्रकोप ने समाज के सभी वर्गो के जीवन को प्रभावित किया जिसके फलस्वरूप शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव के साथ निराशा, तनाव, अवशाद सहित मनौवैज्ञानिक समस्याएं हुई। कोविड–19 के प्रभाव से छात्रों में ऑनलाईन कक्षाओं और स्व–अध्ययन पर व्यतीत किया गया समय, सीखने के उपयोग में किये जाने वाले माध्यम, नींद की आदतें, दैनिक फिटनेस, दिनचर्या और इसके बाद वजन, सामाजिक जीवन और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हुआ। कोरोना वायरस के उद्‌भव ने दुनियॉ को अभूतपूर्व सार्वजनिक शिक्षा के साथ स्वस्थ संकट की ओर अग्रसर किया है।

प्रस्तावना :–

कोरोना वायरस के तीव्र संचरण तथा विकास में सभी आयु वर्ग के छात्रों को प्रभावित किया जिसके फलस्वरूप देश भर में शैक्षणिक संस्थानों के बंद होने से छात्रों की शिक्षा, सामाजिक जीवन और मानसिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव हुआ। कोविड–19 के प्रकोप के कारण विद्यार्थियों मन, मस्तिष्क में बड़े नकारात्मक प्रभावों का अनुभव किया गया।

जिसमें मुख्यतः पारिवारिक सदस्यों में कमी, डिजीटल संसधानों तक सीमित पहुॅच और इन्टरनेट कनेक्टीविटी की उच्च लागत में छात्रों की शैक्षणिक जीवन को बाधित कर छात्रों की बुनियादी शिक्षा से वंचित कर उनके स्वास्थ्य पर गंभीर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा।

कोविड –19 :–

कोविड –19 (कोरोना वायरस रोग 2019) SARS-CoV-2नामक वायरस के कारण होने वाली बीमारी है। यह मुख्यतः बच्चों, छात्रों और युवाओं के जीवन को प्रभावित करने के साथ समाज और अर्थ व्यवस्था में जो व्यवधान उत्पन्न किया है। उसके फलस्वरूप वैश्विक शिक्षा जगत को संकट करने के साथ शिक्षा में अभूतपूर्व तौर तरीके में परिवर्तन करने का प्रयास किया है। कोविड–19 महामारी के आने से पहले ही दुनिया में शिक्षा का संकट था।

विश्व के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय की छात्र/छात्राएं लगभग लगभग 258 मिलियन स्कूल शिक्षा से वंचित थे तथा निम्न और मध्यम अर्थव्यवस्था वाले देशों में शिक्षा की दर 53 प्रतिशत थी जिसका अर्थ है कि 10 वर्ष के आयु के आधे से ज्यादा बच्चे एक साधारण पाठ को पढ़ और समझ नहीं सकते थे।

अध्ययन के उद्देश्य :–

1. कोविड–19 का विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।
2. कोविड–19 के फलस्वरूप विद्यार्थियों में नए ज्ञान के अवसर का अध्ययन करना।
3. कोविड–19 के फलस्वरूप विद्यार्थियों में मिश्रित शिक्षा (ऑनलाईन और ऑफलाईन) ग्रहण करने का अध्ययन करना।

क्रियाविधि :–

अध्ययन हेतु आंकड़ों का संकलन कोरोना वायरस महामारी के संदर्भ में अधिकृत सूचनाएं व ऑकड़े उपलब्ध करने वाली राष्ट्रीय एवं अर्न्राष्ट्रीय एजेंसी व वेबसाइट से किया गया है।

कोविड–19 का विद्यार्थियों पर प्रभाव और नवीन ज्ञान का अवसर :–

कोविड–19 महामारी के दौरान जब पूरे भारत में स्कूल बंद हो गए तो देश में स्कूल छोड़ने की दर तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गई –2018 में 1-8 प्रतिशत से बढ़कर 2020 में 5-3 प्रतिशत हो गई।

इसका सबसे ज्यादा असर निम्न वर्ग के समुदाय के छात्रों पर गंभीर प्रभाव पड़ा जिसके फलस्वरूप उच्च तथा निम्न वर्ग के छात्र/छात्राओं में असमानताएँ में सतत् वृद्धि पाई गई। शिक्षा सीखने–सिखाने की प्रक्रिया है जो कि मनुष्य के जन्म से प्रारंभ होकर मृत्यु पर्यंत तक चलती रहती है। इसी तारतम्य में कोविड–19 के प्रभाव से शैक्षिक जगत भी अछुता नही रहा इस महामारी के कारण शिक्षण संस्थान जैसे – स्कूल, कॉलेज बंद होकर छात्र/छात्राओं की जीवन एक चार दिवारी के मध्य सिमट कर रह गई। परिणाम स्वरूप शिक्षण प्रक्रिया गंभीर रूप से प्रभावित होने के साथ विद्यार्थियों के अधिगम की प्रक्रिया धीरे–धीरे क्षीण होते गई। अतः विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर माता–पिता के सपने को एक निश्चित दिशा प्राप्त होने में सार्थक नहीं रहीं। विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर अभिभावकों के मनमस्तिष्क मे एक तनाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होने के साथ विद्यार्थियों के प्रति सरकार के ध्यान को आकृष्ट करने का प्रयास किया गया। जिसे ध्यान देते हुये सरकार ने सभी शिक्षण संस्थानों को ऑनलाईन विधि से संचालित करने की अपील के साथ विद्यार्थियों के हीत में लाक–डाउन में भी शिक्षा में निरंतरता को बनाने का सतत् प्रयास सार्थक दिशा की ओर अग्रसर हुआ।

कोविड–19 के विद्यार्थियों पर शारीरिक एवं मानसिक प्रभाव के साथ स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्परिणाम परिलक्षित हुये। अतः कोविड–19 के विद्यार्थियों पर प्रभाव और नये ज्ञान के अवसर को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत अध्ययन किया जा सकता है, जो कि निम्न हैः–

1. ई–पाठशाला :–

ई–पाठशाला पोर्टल एक संयुक्त रूप से भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा नवम्बर 2015में प्रारंभ किया गया। ई–पाठशाला शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों व प्रशिक्षकों हेतु शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता विभिन्न भाषाओं में करने के साथ पाठ्य–पुस्तक, पत्रिकाओं, ऑडियों, विडियों आदि जैसे शैक्षणिक सामग्रीयों की उपलब्धता सरलता हुई। जिसे आसानी से विद्यार्थियों द्वारा डाउनलोड कर अध्ययन करने में सहायक होने के साथ अधिगम में अपेक्षाकृत सरलता, दृढ़ एवं स्थायी हुआ।

2. स्वयंप्रभा :–

यह 24X7आधार देश में सभी जगह चलचित्रों के माध्यम से 32 उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक चैनल डीटीएच द्वारा प्रदान करने की एक पहल की गई जिसके फलस्वरूप विद्यार्थियों के शिक्षण अधिगम में पढ़ने वाले प्रभाव को कम करने के साथ नये ज्ञान के अवसर दुरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले छात्र/छात्राओं को लाभांवित करने का सरकार द्वारा एक सार्थक पहल 09 जुलाई 2017 को स्थापित स्वयंप्रभा द्वारा कला, विज्ञान, वाणिज्य, मानवीकीय सामाजिक विज्ञान के साथ इन्जीनियरिंग प्रौद्योगिकी चिकित्सा कृषि आदि पर आधारित पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया है। जिसके फलस्वरूप छात्रों में नये ज्ञान के अवसर तथा क्षेत्रों से भलीभांति परिचित हुये।

मिश्रित शिक्षाः–

मिश्रित शिक्षा कोरोना वायरस के कारण विभिन्न शिक्षण संस्थानों के बंद होने की स्थिति में विद्यार्थियों के शिक्षा जगत से जोड़ने पारंपरिक विधि को छोड़कर ऑनलाईन विधि के माध्यम से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया सम्पन्न किया गया किन्तु तकनीकी क्षेत्रों से शिक्षक एवं छात्र भलीभांति परिचित नहीं होने के कारण शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में एक अवरोध उत्पन्न हुआ।

किन्तु शिक्षा की अनिवार्यता शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए छात्र एवं शिक्षकों को नई तकनीकी से अवगत कराते हुये शिक्षा जगत में एक सकारात्मक प्रभाव तथा छाप छोड़ने का प्रयास किया गया।

विद्यार्थियों में दुरस्थ एवं मुक्त शिक्षा की मांग में सतत् वृद्धि :–

दुरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्राप्त करने की एक आभासी एवं वास्तविक प्रणाली है जिसमें शिक्षक व शिक्षार्थी को स्थान विशेष व समय विशेष की आवश्यकता नहीं होती है। अपितु इस शिक्षा प्रणाली से जुड़े रहने के लिए सूचना क्रांति के रूप में इंटरनेट की आवश्यकता होती है। कोरोना वायरस में छात्र तथा शिक्षक परस्पर कक्षा–कक्ष शिक्षण की प्रक्रिया न होने के कारण विद्यार्थियों में दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा के मांग में सतत् वृद्धि हुई।

राष्ट्रीय डिजीटल लाइब्रेरी :–

राष्ट्रीय डिजीटल लाइब्रेरी एक ऑनलाईन लाइब्रेरी है जिसकी सहायता से शिक्षण अधिगम हेतु आवश्यक सामग्री जैसे पाठ्यपुस्तक, जर्नल, मैंगजीन, पत्र–पत्रिकाओ के साथ आवश्यक शिक्षण सामग्रियों की प्राप्ति होती है। जो कि छात्रों में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ ज्ञान में अपेक्षाकृत वृद्धि करने में सहायक है। कोरोना वायरस के कारण छात्र/छात्राओं में तथा शिक्षकों में राष्ट्रीय डिजीटल लाईब्रेरी के प्रति विशेष ध्यानाकर्षण हुआ। परिणाम स्वरूप सरकार द्वारा सभी शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय डिजीटल लाईब्रेरी से जुड़ने के लिए अनुरोध करते हुये छात्रहित में शिक्षण अगिधम प्रक्रिया को संचालन के लिए विशेष निर्देश के साथ आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान करने की एक पहल की गई है।

परिणाम :–

कोराना वायरस महामारी के कारण देश की शिक्षा पर एक बड़ा असर पड़ा है। यूनेस्कों के रिपोर्ट के अनुसार कोरोना वायरस के फलस्वरूप भारत में लगभग 82 करोड़ छात्र/छात्राओं की संख्या शिक्षा जगत से प्रभावित हुई जिसमें 15-81 करोड़ छात्राएं एवं 16-25 करोड छात्रों में स्पष्ट रूप से प्रभाव देखा गया। कोरोना वायरस नें शिक्षा के असमान वितरण को बढ़ाने का कार्य करते हुये ऑनलाईन शिक्षा के प्रति छात्र/छात्राओं के व्यवहार में परिवर्तन करने का एक सार्थक प्रयास किया।

निष्कर्ष :–

कोराना वायरस छात्र/छात्राओं की युवा पीढ़ी को नये जीवन कौशल प्रदान करने के साथ नई तकनीकियों के महत्व को समझाते हुये भविष्य के प्रति उन्मुख करने का प्रयास किया है। छात्र तथा शिक्षकों के मध्य शिक्षण अगिधम प्रक्रिया के लिए सहयोगात्मक कार्यो में वृद्धि करते हुये एक–दूसरे को शिक्षण कार्य में तकनीक का किस प्रकार से प्रयोग कर सकते है। इसकों सिखानें में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। कोरोना वायरस में शिक्षक एवं छात्रों के पठन–पाठन कार्य हेतु ऑनलाईन विधि से कठोर एवं कोमल शिल्प उपागम का विशेष सहारा लेते हुये शिक्षा जगत में एक अभूतपूर्व परिवर्तन करने का सराहनीय प्रयास किया।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. Pravat Ka Jena (2020) Online learning during lockdown period for Dovdi-19 in India International Journal of education research 9(5) Pg. 82-92.
2. MHRD notice (2020) Covid-19 stay safe-digital initiatives. Retrieved from httops://www.mohfw.gov.in/pdf/Covid-19pdf
3. Unicef (2020). Education and covid-19 data.unicef org/topic/education and covid-19
4. WHO (2022) WHO coronavirus (Covid-19) dashboard, World Health Organization Covid-19 who.int